Isa

Chapter 17

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

מַפָּלָה׃	מְעִי	וְהָיְתָה	מֵעִיר	מוּסָר	דַמֶּשֶׂק	הִנֵּה	דַּמָּשֶׂק	מַשָּׂא	1
खंडहर-की	ढेर	और-होगी	नगर-से	हटाया-जा-रहा-है	दमिश्क	देखो	दमिश्क-का	भारी-वचन	
	H4596	H1961		H5493	H1834	H2009	H1834		

> यह दमिश्क के लिये दु:खद सन्देश है। यहोवा कहता है कि दमिश्क के साथ में बातें घटेंगी: “दमिश्क जो आज नगर है किन्तु कल यह उजड़ जायेगा। दमिश्क में बस टूटे फूटे भवन ही बचेंगे।

מַחֲרִיד׃	וְאֵין	וְרָבְצוּ	תִּהְיֶינָה	לַעֲדָרִים	עֲרֹעֵר	עָרֵי	עֲזֻבוֹת	2
डराने-वाला	और-नहीं-होगा	और-बैठेंगे	होंगे	झुण्डों-के-लिए	अरोएर-के	नगर	छोड़े-हुए	
H2729	H0369	H7257	H1961	H5739	H6177			

> अरोएर के नगरों को लोग छोड़ जायेंगे। उन उजड़े हुए नगरों में भेड़ों की रेवड़े खुली घूमेंगी। वहाँ कोई उनको डराने वाला नहीं होगा।

בְנֵי־	כִּכְבוֹד	אֲרָם	וּשְׁאָר	מִדַּמֶּשֶׂק	וּמַמְלָכָה	מֵאֶפְרַיִם	מִבְצָר	וְנִשְׁבַּת	3
बेटों-	महिमा-की-तरह	अराम	और-बचे-हुए	दमिश्क-से	और-राज्य	एप्रैम-से	गढ़	और-समाप्त-हो-जाएगा	
	H3519	H0758	H7605	H1834	H4467	H0669	H4013		
ס	צְבָאוֹת׃	יְהוָה	נְאֻם	יִהְיוּ	יִשְׂרָאֵל				
—	सेनाओं-का	यहोवा	कहता-है	होंगे	यिस्राएल-के				
		H3068	H5002	H1961	H3478				

> एप्रैम (इस्राएल) के गढ़ नगर ध्वस्त हो जायेंगे। दमिश्क के शासन का अन्त हो जायेगा। जैसे घटनाएँ इस्राएल में घटती हैं वैसी ही घटनाएँ अराम में भी घटेंगी। सभी महत्त्वपूर्ण व्यक्ति उठा लिये जायेंगे।” सर्वशक्तिमान यहोवा ने बताया कि ये बातें घटेंगी।

יֵרָזֶה׃	בְּשָׂרוֹ	וּמִשְׁמַן	יַעֲקֹב	כְּבוֹד	יִדַּל	הַהוּא	בַּיּוֹם	וְהָיָה	4
दुबला-हो-जाएगा	उसके-शरीर-का	और-मोटापा	याकूब-की	महिमा	घट-जाएगी	उस	दिन-में	और-होगा	
H7329	H1320		H3290	H3519	H1809	H1931	H3117	H1961	

> उन दिनों याकूब की (इस्राएल की) सारी सम्पति चली जायेगी। याकूब वैसा हो जायेगा जैसा व्यक्ति रोग से दुबला हो।

וְהָיָה	יִקְצוֹר	שִׁבֳּלִים	וּזְרֹעוֹ	קָמָה	קָצִיר	כֶּאֱסֹף	וְהָיָה	5
और-होगा	काटेगा	बालें	और-उसकी-बांह	खड़े-अनाज-की	कटनी	इकट्ठा-करने-में-जैसे	और-होगा	
H1961			H2220	H7054		H0622	H1961	
רְפָאִים׃	בְּעֵמֶק	שִׁבֳּלִים	כִּמְלַקֵּט					
रपाईम-की	तराई-में	बालें	इकट्ठा-करने-वाले-की-तरह					
	H6010		H3950					

> “वह समय ऐसा होगा जैसे रपाईम घाटी में फसल काटने के समय होता है। मजदूर उन पौधों को इकट्ठा करते हैं जो खेत में उपजते हैं। फिर वे उन पौधों की बालों को काटते हैं और उनसे अनाज के दाने निकालते हैं।

אָמִיר	בְּרֹאשׁ	גַּרְגְּרִים	שְׁלֹשָׁה	שְׁנַיִם	זַיִת	כְּנֹקֶף	עוֹלֵלֹת	בוֹ	וְנִשְׁאַר־	6
चोटी-के	शिखर-पर	दाने	तीन	दो	जैतून-को	झाड़ने-जैसे	झड़बेरी	उस-में	और-बचा-रहेगा-	
H0534		H1620	H7969	H8147	H2132	H5363	H5955		H7604	
ס	יִשְׂרָאֵל׃	אֱלֹהֵי	יְהוָה	נְאֻם־	פֹּרִיָּה	בִּסְעִפֶיהָ	חֲמִשָּׁה	אַרְבָּעָה		
—	यिस्राएल-का	एलोहीम	यहोवा	कहता-है-	फलदार-की	उसकी-डालियों-पर	पाँच	चार		
	H3478	H0430	H3068	H5002	H6509	H5585	H2568	H0702		

> “वह समय उस समय के भी समान होगा जब लोग जैतून की फसल उतारते हैं। लोग जैतून के पेड़ों से जैतून झाड़ते हैं। किन्तु पेड़ की चोटी पर प्राय: कुछ फल तब भी बचे रह जाते हैं। चोटी की कुछ शाखाओं पर चार पाँच जैतून के फल छूट जाते हैं। उन नगरों में भी ऐसा ही होगा।” सर्वशक्तिमान यहोवा ने ये बातें कही थीं।

7

בַּיּוֹם	הַהוּא	יִשְׁעֶה	הָאָדָם	עַל־	עֹשֵׂהוּ	וְעֵינָיו	אֶל־	קְדוֹשׁ	יִשְׂרָאֵל	תִּרְאֶינָה׃
दिन-में	उस	देखेगा	मनुष्य	की-ओर-	अपने-बनाने-वाले	और-उसकी-आँखें	की-ओर-	पवित्र	यिस्राएल-के	देखेंगी
H3117	H1931	H8159	H0120				H0413	H6918	H3478	H7200

उस समय लोग परमेश्वर की ओर निहारेंगे। परमेश्वर, जिसने उनकी रचना की है। वे इस्राएल के पवित्र की ओर सहायता के लिये देखेंगें।

8

וְלֹא	יִשְׁעֶה	אֶל־	הַמִּזְבְּחוֹת	מַעֲשֵׂה	יָדָיו	וַאֲשֶׁר	עָשׂוּ	אֶצְבְּעֹתָיו	לֹא	יִרְאֶה	וְהָאֲשֵׁרִים	וְהָחַמָּנִים׃
और-नहीं	देखेगा	की-ओर-	वेदियों	कार्य	अपने-हाथों-का	और-जो	बनाया	उसकी-उंगलियों-ने	नहीं	देखेगा	और-अशेराओं-को	और-सूर्य-स्तम्भों-को
H3808	H8159	H0413	H4196	H4639	H3027			H0676	H3808	H7200	H0842	H2553

लोग उन वेदियों पर विश्वास करना समाप्त कर देंगे जिनको उन्होंने स्वयं अपने हाथों से बनाया था। अशेरा देवी के जिन खम्भों और धूप जलाने की वेदियों को उन्होंने अपनी उँगलियों से बनाया था, वे उन पर भरोसा करना बंद कर देंगे।

9

בַּיּוֹם	הַהוּא	יִהְיוּ	עָרֵי	מָעֻזּוֹ	כַּעֲזוּבַת	הַחֹרֶשׁ	וְהָאָמִיר	אֲשֶׁר	עָזְבוּ	מִפְּנֵי	בְּנֵי	יִשְׂרָאֵל	וְהָיְתָה	שְׁמָמָה׃
दिन-में	उस	होंगे	नगर	उसके-गढ़-के	छोड़ने-जैसे	जंगल	और-शिखर	जो	छोड़ा	सामने-से	बेटों	यिस्राएल-के	और-होगा	उजाड़
H3117	H1931	H1961		H4581		H2793	H0534			H6440		H3478	H1961	

उस समय, सभी गढ़—नगर उजड़ जायेंगे। वे नगर ऐसे पर्वत और जंगलों के समान हो जायेंगे, जैसे वे इस्राएलियों के आने से पहले हुआ करते थे। बीते हुए दिनों में वहाँ से सभी लोग दूर भाग गये थे क्योंकि इस्राएल के लोग वहाँ आ रहे थे। भविष्य में यह देश फिर उजड़ जायेगा।

10

כִּי	שָׁכַחַתְּ	אֱלֹהֵי	יִשְׁעֵךְ	וְצוּר	מָעֻזֵּךְ	לֹא	זָכַרְתְּ	עַל־	כֵּן	תִּטְּעִי	נִטְעֵי	נַעֲמָנִים	וּזְמֹרַת	זָר	תִּזְרָעֶנּוּ׃
क्योंकि	भूल-गई-तू	एलोहीम-को	तेरे-उद्धार-के	और-चट्टान	तेरे-गढ़-के	नहीं	याद-किया-तूने	इसलिए-	इस-कारण	रोपती-है-तू	पौधे	मनोहर	और-टहनियाँ	पराए-की	बोती-है-तू-उसे
	H7911	H0430	H3468	H6697	H4581	H3808	H2142			H5193	H5194	H5282	H2156		H2232

ऐसा इसलिये होगा क्योंकि तुमने अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर को भुला दिया है। तुमने यह याद नहीं रखा कि परमेश्वर ही तुम्हारा शरण स्थल है। तुम सुदूर स्थानों से कुछ बहुत अच्छी अँगूर की बेलें लाये थे। तुम अंगूर की बेलों को रोप सकते हो किन्तु उन पौधों में बढ़वार नहीं होगी।

11

בְּיוֹם	נִטְעֵךְ	תְּשַׂגְשֵׂגִי	וּבַבֹּקֶר	זַרְעֵךְ	תַּפְרִיחִי	נֵד	קָצִיר	בְּיוֹם	נַחֲלָה	וּכְאֵב	אָנוּשׁ׃	ס
दिन-में	तेरे-रोपने-के	बढ़ाती-है-तू	और-सुबह-में	तेरा-बीज	फूलता-है-तू	ढेर	कटनी-की	दिन-में	बीमारी	और-दर्द	असाध्य	—
H3117	H5194	H7735	H1242	H2233		H5067		H3117		H3511	H0605	

एक दिन तुम अपनी अँगूर की उन बेलों को रोपोगे और उनकी बढ़वार का जतन करोगे। अगले दिन, वे पौधे बढ़ने भी लगेंगे किन्तु फसल उतारने के समय जब तुम उन बेलों के फल इकट्ठे करने जाओगे तब देखोगे कि सब कुछ सूख चुका है। एक बीमारी सभी पौधों का अंत कर देगी।

12

הוֹי	הֲמוֹן	עַמִּים	רַבִּים	כַּהֲמוֹת	יַמִּים	יֶהֱמָיוּן	וּשְׁאוֹן	לְאֻמִּים	כִּשְׁאוֹן	מַיִם	כַּבִּירִים	יִשָּׁאוּן׃
हाय	शोर	लोगों	बहुतों-का	गरजना-जैसे	समुद्रों-की	गरजते-हैं	और-शोर	जातियों-का	शोर-जैसे	पानी	बहुत-का	गरजता-है
H1945				H1993	H3220	H1993	H7588	H3816	H7588	H4325	H3524	H7582

बहुत सारे लोगों का भीषणा नाद सुनो! यह नाद सागर के नाद जैसा भयानक है। लोगों का शोर सुनो। ये शोर ऐसा है जैसे सागर की लहरे टकरा उठती हो।

13

לְאֻמִּ֗ים	כִּשְׁא֞וֹן	מַ֤יִם	רַבִּים֙	יִשָּׁא֔וּן	וְגָ֥עַר	בּ֖וֹ	וְנָ֣ס	מִמֶּרְחָ֑ק
जातियाँ	शोर-जैसे	पानी	बहुत-का	गरजती-हैं	और-डाँटता-है	उसे	और-भागते-हैं	दूर-से
H3816	H7588	H4325		H7582	H1605		H5127	H4801

וְרֻדַּ֗ף	כְּמֹ֤ץ	הָרִים֙	לִפְנֵי־	ר֔וּחַ	וּכְגַלְגַּ֖ל	לִפְנֵ֥י	סוּפָֽה׃
और-पीछा-किए-जाते-हैं	भूसी-की-तरह	पहाड़ों-की	सामने-	हवा	और-गेंद-की-तरह	सामने	आँधी
H7291	H4671	H2022	H6440	H7307	H1534	H6440	

लोग उन्हीं लहरों जैसे होंगे। परमेश्वर उन लोगों को झिड़की देगा, और वे दूर भाग जायेंगे। लोग उस भूसे के समान होंगे जिस की पहाड़ी पर हवा उड़ाती फिरती है। लोग वैसे हो जायेंगे जैसे आँधी उखाड़े जा रही है। आँधी उसे उड़ाती है और दूर ले जाती है।

14

לְעֵ֥ת	עֶ֙רֶב֙	וְהִנֵּ֣ה	בַלָּהָ֔ה	בְּטֶ֥רֶם	בֹּ֖קֶר	אֵינֶ֑נּוּ	זֶ֚ה	חֵ֣לֶק	שׁוֹסֵ֔ינוּ
समय-पर	सांझ	और-देखो	भय	पहले-	सुबह	है-नहीं-वह	यह	भाग	हमारे-लूटने-वालों-का
H6256	H6153	H2009	H1091	H2962	H1242	H0369	H2088		H8154

וְגוֹרָ֖ל	לְבֹזְזֵֽינוּ׃	ס
और-भाग्य	हमारे-लूटेरों-का	—
H1486	H0962	

उस रात लोग बहुत ही डर जायेंगे। सुबह होने से पहले, कुछ भी नहीं बच पायेगा। सो शत्रुओं को वहाँ कुछ भी हाथ नहीं आयेगा। वे हमारी धरती की ओर आयेंगे, किन्तु वहाँ भी कुछ नहीं होगा।